Phase-IV

संक्षिप्त प्रतिवेदन कार्यक्रम- 02

त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

अभिकल्पन एवं विकास : ऑडियो एवं वीडियो ई-संसाधन

(Design & Develop : Audio & Video e-Resources)

२६ से २८ मई २०२० तक

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अंतर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में '**अभिकल्पन एवं विकास ऑडियो एवं वीडियो ई-संसाधन**' विषय पर द्वितीय त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक **26 से 28 मई 2020 तक** किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को ऑडियो एवं वीडियो निर्माण एवं सम्पादन सम्बन्धित विभिन्न एप्पस, सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों से परिचित कराना तथा इन प्रक्रियाओं से सम्बन्धित कुशलताओं का विकास करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 12 सत्रों जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, प्रदर्शन आधारित 08 तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 03 स्वाभ्यास, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 511 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से मंच की सीमा एवं प्रवेश क्षमता के कारण 241 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। 209 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 29 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। 212 प्रतिभागी 20 राज्यों से जिसमें आंध्र प्रदेश से 05, असम से 02, बिहार से 08, छत्तीसगढ़ से 03, गुजरात से 03, हरियाणा से 13, हिमाचल प्रदेश से 06, झारखंड से 02, कर्नाटक से 04, केरल से 06, मध्य प्रदेश से 07, महाराष्ट्र से 16, ओडिशा से 06, पंजाब से 04, राजस्थान से 14, तमिलनाडु से 04, त्रिपुरा से 05, उत्तराखंड से 10, उत्तर प्रदेश से 52, पश्चिम बंगाल से 09 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेश से चंडीगढ़ से 03 तथा दिल्ली से 37 रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **छः विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों के मुख्य विषय रहे यथा - शिक्षण एवं ई-संसाधन हेतु रोडमैप, विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप्पस् द्वारा वीडियो निर्माण यथा- स्क्रीनकास्टीफाई, स्क्रीनकास्ट-ओ-मेटिक, प्रेजेंटेशन ट्यूब, फ्री कैम एवं ए-जैड रिकार्डर, ओपनशोट द्वारा वीडियो सम्पादन, पॉडकास्ट द्वारा ऑडियो निर्माण और ऑडेसिटी द्वारा ऑडियो सम्पादन। आकलन हेतु ऑनलाइन परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **43% प्रतिभागियों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **65%, 28%, 06% एवं 01%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत **66% उत्कृष्ट, 29%, अति उत्तम 05% उत्तम एवं 01% संतोषजनक** रहा। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. संतोष कुमार शुक्ल** (संकाय प्रमुख, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।